बांदीपुर टाइगर रिजर्व: ईको-सेंसिटिव जोन और वन्यजीव पर्यटन

समाचार: 20 नवंबर 2026 | प्रकाशन: 20 नवंबर 2026

प्रिलिम्स: बांदीपुर, प्रोजेक्ट टाइगर, संरक्षित क्षेत्र; मुख्य परीक्षा: GS-III जैव विविधता और संरक्षण



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

बांदीपुर टाइगर रिजर्व के ईको-सेंसिटिव जोन में कथित अवैध सफारी की आशंका से संरक्षित क्षेत्रों के आसपास पर्यटन के नियमन पर चर्चा हुई है। तस्वीरें या आरोप अपने-आप अपराध सिद्ध नहीं करते। इस विषय की खबर से अलग, रिजर्व का भूगोल और संरक्षण-प्रबंधन परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।

स्थान और परिदृश्य

बांदीपुर कर्नाटक में है और कर्नाटक, केरल तथा तमिलनाडु के संगम वाले व्यापक वन परिदृश्य का हिस्सा है। आसपास नागरहोल, वायनाड और मुदुमलाई जैसे संरक्षित वन क्षेत्र हैं। ऐसे जुड़े हुए परिदृश्य वन्यजीवों की आवाजाही और राज्यों के बीच संरक्षण समन्वय के लिए महत्वपूर्ण हैं। किसी बड़े जैवमंडलीय परिदृश्य और उसके भीतर किसी एक राष्ट्रीय उद्यान की कानूनी पहचान एक जैसी नहीं होती।

प्रोजेक्ट टाइगर का संदर्भ

भारत सरकार और Wildlife Institute of India के विवरण के अनुसार बांदीपुर 1973 में प्रोजेक्ट टाइगर शुरू होने पर शामिल पहले नौ टाइगर रिजर्व में था। प्रोजेक्ट टाइगर के आरंभ और राष्ट्रीय उद्यान की अलग अधिसूचनाओं की तारीखें न मिलाएं।

प्रबंधन की चुनौतियाँ

WII के आकलन में बाहरी भूमि-उपयोग में बदलाव, मानव-वन्यजीव संघर्ष, सड़कों का दबाव, आक्रामक वनस्पतियाँ और वनाग्नि जैसी चुनौतियाँ दर्ज हैं। वन-सीमा के बाहर की गतिविधियाँ भी संरक्षण को प्रभावित कर सकती हैं। इसलिए केवल कोर क्षेत्र की सुरक्षा पर्याप्त नहीं; आसपास के उपयोग, यातायात और स्थानीय आजीविका से समन्वय जरूरी है।

ईको-सेंसिटिव जोन को कैसे समझें

WII पृष्ठ बांदीपुर के ईको-सेंसिटिव जोन की अधिसूचना 4 अक्टूबर 2012 बताता है। किसी ESZ में कौन-सी गतिविधि प्रतिबंधित, नियंत्रित या स्वीकार्य है, यह संबंधित अधिसूचना और लागू अनुमतियों से जाँचना चाहिए। ESZ को न तो हर मानवीय गतिविधि पर स्वतः पूर्ण रोक मानें, न किसी भी व्यावसायिक पर्यटन की खुली अनुमति।

मुख्य परीक्षा में प्रयोग

पर्यटन संरक्षण के लिए संसाधन और स्थानीय रोजगार दे सकता है, लेकिन वाहन, शोर और अनियंत्रित निर्माण का दबाव भी ला सकता है। स्पष्ट अनुमति, निगरानी और स्थानीय समुदाय की भागीदारी नीति-विश्लेषण के उपयोगी बिंदु हैं। विशेष कथित घटना पर निष्कर्ष सक्षम जाँच के बाद ही निकाला जाना चाहिए।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन-I: बांदीपुर प्रोजेक्ट टाइगर के आरंभिक नौ टाइगर रिजर्व में शामिल था।

कथन-II: किसी ESZ का नाम होना अपने-आप हर प्रकार की व्यावसायिक सफारी की अनुमति देता है।

सही विकल्प चुनिए:

(a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या करता है

(b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं, परंतु कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं करता है

(c) कथन-I सही है, परंतु कथन-II गलत है

(d) कथन-I गलत है, परंतु कथन-II सही है

▼ उत्तर और व्याख्या

उत्तर: **(c)**। गतिविधि की वैधता संबंधित नियम और अनुमति पर निर्भर है।

स्रोत

https://mee-tr.wii.gov.in/Home/Geospatial/bandipur-tiger-reserve
https://pib.gov.in/newsite/erelcontent.aspx?relid=61370
स्रोत स्थिति: भूगोल और संरक्षण-संदर्भ आधिकारिक स्रोतों से; कथित सफारी का समाचार-संकेत अप्रमाणित आरोप के रूप में ही रखा गया है।

PCS MANTRA

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

बांदीपुर टाइगर रिजर्व कहाँ है और उसका परिदृश्य क्यों महत्वपूर्ण है?

बांदीपुर कर्नाटक में है और कर्नाटक, केरल तथा तमिलनाडु के संगम वाले व्यापक वन परिदृश्य का हिस्सा है, जिसमें नागरहोल, वायनाड और मुदुमलाई जैसे संरक्षित वन क्षेत्र आते हैं। ऐसे जुड़े परिदृश्य वन्यजीवों की आवाजाही और अंतर-राज्यीय संरक्षण समन्वय के लिए महत्वपूर्ण हैं। स्रोत (https://mee-tr.wii.gov.in/Home/Geospatial/bandipur-tiger-reserve)

बांदीपुर का प्रोजेक्ट टाइगर से क्या संबंध है?

भारत सरकार और Wildlife Institute of India के विवरण के अनुसार बांदीपुर 1973 में प्रोजेक्ट टाइगर शुरू होने पर शामिल पहले नौ टाइगर रिजर्व में से एक था। प्रोजेक्ट टाइगर के आरंभ की तारीख और राष्ट्रीय उद्यान की अलग अधिसूचना की तारीख एक नहीं हैं। स्रोत (https://pib.gov.in/newsite/erelcontent.aspx?relid=61370)

बांदीपुर के ईको-सेंसिटिव जोन की अधिसूचना कब हुई और ESZ का अर्थ क्या है?

WII पृष्ठ के अनुसार बांदीपुर के ESZ की अधिसूचना 4 अक्टूबर 2012 की है। किसी ESZ में कौन-सी गतिविधि प्रतिबंधित, नियंत्रित या स्वीकार्य है, यह संबंधित अधिसूचना और अनुमतियों से तय होता है; ESZ न तो हर गतिविधि पर स्वतः रोक है, न व्यावसायिक पर्यटन की खुली अनुमति। कथित सफारी की खबर अभी अप्रमाणित आरोप के रूप में ही है। स्रोत (https://mee-tr.wii.gov.in/Home/Geospatial/bandipur-tiger-reserve)

PCS MANTRA